बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 77 ● नई दिल्ली ● वीरवार 01 जनवरी 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

देवदूत बने दिल्ली पुलिसकर्मी, फंदे पर झूल रहे युवक की बचाई जान; अब दोनों को किया जाएगा सम्मानित

नई दिल्ली। पटेल नगर इलाके में बुधवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक महिला की दिल दहला देने वाली चीख सुनकर ड्यूटी पर तैनात दो दिल्ली पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और 26 वर्षीय युवक की आत्महत्या की कोशिश को नाकाम कर उसकी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, साल के आखिरी दिन शाम करीब 7 बजे हेड कॉन्स्टेबल योगेश और कॉन्स्टेबल अजय इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक महिला की घबराई हुई चीख सुनाई दी। आवाज का पीछा करते हुए वे एक पांच मंजिला इमारत के पास पहुंचे, जहां महिला बेहद घबराहट हालत में मिली। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा कमरे में खुद को बंद कर आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा है पुलिसकर्मी तुरंत सीढ़ियां चढ़ते हुए ऊपर पहुंचे।

भारत-पाक युद्ध हमने रुकवाया...चीन के दावे पर भड़की कांग्रेस, कहा- हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मज़ाक बना दिया

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी द्वारा भारत-पाकिस्तान गतिरोध में मध्यस्थता करने के दावे के बाद केंद्र पर तीखा हमला करते हुए इसे नई दिल्ली की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ मजाक बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा करने के बाद कि वाशिंगटन ने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोका, चीन ने भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान तनाव कम करने में अपनी भूमिका का दावा किया। जयराम रमेश ने एक पोस्ट में चीन के दावे पर चिंता व्यक्त की, क्योंकि बीजिंग के पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ रक्षा संबंध हैं और वह इस्लामाबाद को हथियार आपूर्ति करता है। कांग्रेस नेता ने लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि उन्होंने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। उन्होंने कम से कम सात अलग-अलग देशों में विभिन्न मंचों पर 65 बार ऐसा किया है। प्रधानमंत्री ने अपने तथाकथित करीबी दोस्त द्वारा किए गए इन दावों पर कभी चुप्पी नहीं तोड़ी है। अब चीनी विदेश मंत्री ने भी ऐसा ही दावा किया है और कहा है कि चीन ने मध्यस्थता भी की थी। 4 जुलाई,

2025 को सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत वास्तव में चीन का सामना कर रहा था और उससे लड़ रहा था। यह देखते हुए कि चीन स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के साथ था, भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के चीनी दावे चिंताजनक हैं - न केवल इसलिए कि वे सीधे तौर पर हमारे देश के लोगों को जो विश्वास दिलाया गया है, उसके विपरीत हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मजाक उड़ाते प्रतीत होते हैं, उन्होंने आगे कहा। इसके अलावा, रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने चीन की शर्तों पर उससे बातचीत की है।

उन्होंने चीनी विदेश मंत्री के बयान पर केंद्र से स्पष्टीकरण की भी मांग की। इस दावे को चीन के साथ हमारे संबंधों के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। हमने उनके साथ पुनः संपर्क स्थापित करना शुरू कर दिया है - लेकिन दुर्भाग्य से, यह चीनी शर्तों पर ही हुआ है। 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने से भारत की वार्तात्मक स्थिति काफी कमजोर हो गई है। हमारा व्यापार घाटा रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, और हमारे अधिकांश निर्यात चीन से आयात पर निर्भर हैं। अरुणाचल प्रदेश के संबंध में चीन की उकसाने वाली कार्रवाइयां लगातार जारी हैं। ऐसे एकतरफा और शत्रुतापूर्ण संबंधों के बीच, भारत की जनता को यह स्पष्टता चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने में चीन की क्या भूमिका थी

शाहीनबाग में दर्दनाक हादसा, आग में फंसें पांच लोगों को बचाया; धुएं में दम घुटने से 70 वर्षीय महिला की मौत

नई दिल्ली। शाहीनबाग थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हो गया। मकान नंबर ई-50 की पार्किंग में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे मकान में धुआं भर गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। घटना तड़के करीब सवा चार बजे की है। पड़ोसी शाहरुख ने सबसे पहले पार्किंग से धुआं उठता देखा और तुरंत शोर मचाया। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही 4:40 बजे दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने के साथ राहत कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने बताया कि आग के कारण मकान की ऊपरी मंजिलों पर धुआं भर गया था। तीसरी मंजिल पर अफरोज इकबाल अपने परिवार के चार सदस्यों के साथ फंसे हुए थे। हालात की गंभीरता को देखते हुए दमकल टीम ने दीवार तोड़कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं, दूसरी मंजिल पर रहने वाले अकील अहमद की 70 वर्षीय मां धुएं की चपेट में आ गईं। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी दम घुटने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में मातम का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।

संबित पात्रा का ममता पर तीखा वार : अमित शाह नहीं, भारत को दे रही हैं धमकी!

नई दिल्ली । संबित पात्रा ने ममता बनर्जी पर सिर्फ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ही नहीं, बल्कि भारत को धमकाने का गंभीर आरोप लगाया, जो अवैध घुसपैठियों और मतदाता सूची संशोधन पर हुई तीखी बहस का परिणाम है। पात्रा ने ममता सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने, भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या और सीमा पर बाड़ लगाने में बाधा डालने जैसे आरोप लगाते हुए दावा किया कि भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल में बहुमत की सरकार बनाएगी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद संबित पात्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला करते हुए उन पर न सिर्फ केंद्रीय गृह मंत्री अमित

शाह बल्कि पूरे देश को धमकाने का आरोप लगाया। अमित शाह और ममता बनर्जी के बीच अवैध घुसपैठियों और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर हुई तीखी बहस के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी ने भारत के गृह मंत्री को धमकी दी। उन्होंने कहा कि आप एक होटल के अंदर छिपे हुए थे। अगर हम चाहते तो आप होटल से बाहर कदम भी नहीं रख पाते, और आप भाग्यशाली हैं कि हमने आपको होटल से बाहर जाने दिया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पात्रा ने आगे कहा कि आप अमित शाह को नहीं, भारत को धमकी दे रही हैं। भाजपा पश्चिम बंगाल में दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी। पात्रा ने आगे आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनके टीएमसी गुंडों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी है और उन पर अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनके टीएमसी गुंडों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी है। उन्हें मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाए जाने से परेशानी है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को बर्बाद कर दिया है। संबित पात्रा ने अमित शाह के इस आरोप का भी समर्थन किया कि पश्चिम बंगाल सरकार बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं करा रही है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि बंगाल में भ्रष्टाचार, अन्याय और घुसपैठियों को लेकर राजनीति चल रही है और वहां की ममता सरकार बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं करा रही है। मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाए जाने से ममता बनर्जी और उनके नेता बंगाल में बहुत परेशान हैं।

सर्दियों में फटे होंठो का घरेलू उपचार

सर्दियों में होंठों की नमी कहीं खो सी जाती है / आजकल सर्दियाँ जोरों पर हैं और ऐसे में ठण्डी शुष्क हवाओ का होंठों पर सीधा प्रभाव पड़ता है जिसकी बजह से होंठों में जलन , घाव ,चुभन आदि की समस्या आम समय के मुकाबले कहीं यादा बढ़ जाती है / फटे होंठ जहां चेहरे पर बदसूरती का अहसास कराते है वहीं दूसरी ओर शारीरिक पीड़ा का कारण बनते है/ शरीर के बाकि हिस्सों के मुकाबले हम होंठों की त्वचा को यादातर खुला छोड़ देते हैं और ऐसे में होंठ हमेशा मौसम की मार सबसे यादा झेलते है / दरअसल होंठों की त्वचा चेहरे की त्वचा से यादा पतली और कोमल व नाजुक होती है / विशेषज्ञों का कहना है की हमारे होंठों की त्वचा चेहरे की त्वचा से दस गुणा तेजी से शुष्क होती है / होंठों की त्वचा में शरीर के बाकि हिस्सों के मुकाबले तैलीय ग्रन्थियां भी विद्यमान नहीं होती/ हमारे चेहरे की त्वचा में सोलह जीवकोशिए परतें विद्यमान होती हैं जबकि हमारे होंठों में औसतन तीन से पांच जीवकोशिए परतें विद्यमान होती हैं जिसकी बजह से होंठों पर मौसम की सबसे यादा मार पड़ती है / हालाँकि होंठों के फटने की समस्या साल भर देखने में आती है लेकिन सर्दियों के मौसम में बर्फीली हवाओं के इलावा घर में हीटर , गर्म उपकरणों , सेण्ट्रल हीटिंग आदि की बजह से बातावरण में नमी में कमी आने की बजह से कहीं यादा गंभीर हो जाती है तथा इस मौसम में होंठों का फटना आम हो जाता है / मौसम के इलावा अगर आप जीवन शैली जैसे शुगर , ब्लड प्रेशर ,आदि रोगों से पीड़ित हैं तो भी होंठों के फटने की समस्या से दो चार हो सकते हैं / लेकिन सवाल यह है की सर्दियों में इस समस्या से कैसे निपटा जाये / अगर आप गम्भीर समस्या से जूझ रहे है तो किसी डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें अन्यथा आप घरेलू उपचार मात्र से ही फटे होंठों की समस्या पर आसानी से काबू पा सकते हैं /- .मौसम कोई भी हो , होंठों को मुलायम और कोमल बनाये रखने के लिए आप दिन में आठ से दस गिलास शुद्ध ताजा पानी पियें ताकि शरीर की नमी बरकरार रखी जा सके जिससे होंठों के फटने की समस्या से प्रकृतिक तौर पर निपटा जा सके /रात को सोने से पहले होंठों पर शुद्ध आर्गेनिक शहद लगा कर सुबह ताजे सामान्य पानी से धो डालें / गुलाब जल और ग्लिसरीन को बराबर मात्रा में मिलकर बने मिश्रण को रात को होंठों पर लगा कर सुबह पानी से धो डालें / इससे होंठ कोमल और मुलायम बने रहेंगे / सर्दियों में फटे होंठों को रोकने के लिए होंठों को नियमित रूप से स्क्रब करना बहुत जरूरी माना जाता है क्योंकि होंठों की मृत कोशिकाओं को भी फटे होंठो का कारण माना जाता है / इसके लिए शहद और चीनी का स्क्रब उपयोग करें / गाय का घी गर्म करके इसे ऊँगली पर लगा कर होंठों की हल्की हल्की मसाज कीजिये / इससे होंठों पर रक्त संचार बढ़ेगा और आप के होंठ गुलाबी , मुलायम बनेंगे / सुबह नहाने के बाद और रात हो सोने से पहले नाभि पर सरसों का तेल लगाने से फटे होंठों की समस्या से राहत मिलेगी / गुलाब की पत्तियां पीस पर उसमें मलाई मिलकर होंठों पर लगाने से होंठ नर्म और गुलाबी बन जायेंगे । सौंदर्य विशेषज्ञों का मानना है कि नारियल तेल, ऑर्गन तेल पर आधारित होठों के बाम, तथा लिपिस्टिक के प्रयोग से होठों को फटने से बचाया जा सकता है। यह ध्यान रखें की ऑइंटमेंट आधारित लिप बाम का प्रयोग करें जिसमे ग्लिसरीन ,पेट्रोलियम जेली ,सुगन्धित तेल शामिल हों ताकि मॉइस्चर को रोका जा सके / हमेशा कपूर , युकलिप्टुस या मेंथोल आधारित लिप बाम से परहेज करें क्योंकि इससे आपको होंठ यादा शुष्क हो सकते हैं / इस मौसम में होंठों पर प्रकृतिक रंग , डाई या मोम से पालिश सौन्दर्य उत्पादों से परहेज करें अन्यथा आपको एलर्जी या जलन महसूस हो सकती है / अपने होंठों पर साबुन या पाउडर के प्रयोग से परहेज कीजिए तथा होठों पर विटामिन ई युक्त लिप बाम का उपयोग कीजिए। होंठों पर बादाम तेल या क्रीम लगाकर इसे रात्रि में लगा रहने दें। लिपस्टिक क्लींजिंग क्रीम या जैल से हटाइए। सर्दियों में अपने होठों को जीभ से कतई मत चाटिए। इससे होठों में शुष्कता आने से फटने की सम्भावनायें बढ़ जाती है। सर्दियों में होंठों को हम बार बार चाटते है जिसकी बजह से होंठों की नमी खतम हो जाती है / जब भी आप होंठों पर स्लाइवा लगते हैं तो यह आपके होंठों की नमी खत्तम कर देता है / होठों की कद्र करने से होठों की सुन्दरता बढ़ती है। सर्दियों में चेहरे को धोने के बाद होठों को मुलायम तौलिये से हल्के से पौंछना चाहिए ताकि मृत कोशिकाओं को हटाया जा सके। रात्रि को आप प्रतिदिन एक घंटा तक होठों पर मलाई लगा कर रख सकते है तथा यदि इससे होठों का रंग काला पड़ जाता है तो मलाई में नींबू जूस की कुछ बूंदें शामिल कर लीजिए। रात्रि में शुद्ध बादाम तेल तथा ऑर्गन तेल होठों की त्वचा को पौष्टिकता प्रदान करने में अहम भूमिका अदा करते है। ऑर्गन आयल को मुख्यतः खाद्य तेल तथा त्वचा एवं खोपड़ी की समस्या से जूझने के लिए उपयोग किया जाता रहा है। आर्गन आयल अनसैचूरेटड फैटी एसिड से भरपूर होता है तथा इससे माइस्चराइड क्रीम, लोशन, फेश पैक तथा हेयर ऑयल जैसे सौन्दर्य प्रसाधनों में प्रयोग किया जाता है। यह त्वचा की लचकीलेपन जैसे गुणों को बनाए रखकर त्वचा में नवयौवनता का संचार करके बुढ़ापे के लक्षणों को रोकता है। इससे त्वचा में शीघ्रता से समा जाने के गुणों से यह होठों के लिए अति उत्तम माना जाता है। आर्गन आयल की बूंदों को आप सीधे होठों पर मालिश कर सकते है। नारियल तेल को पोषक तथा नमी बनाए रखने के गुणों से भरपूर माना जाता है। यह त्वचा को मुलायम तथा कोमल बनाता है। इसे होठों पर लगाने से सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणें के नुकसान को रोका जा सकता है तथा यह त्वचा की क्रीम से बेहतर सुरक्षा कवच प्रदान करता है। नारियल तेल को त्वचा मुख्यतः चेहरे के मेकअप को हटाने में प्रयोग किया जा सकता है। नारियल तेल को सौंदर्य प्रसाधन तथा खाद्य तेल दोनों प्रकार से पूरी तरह सुरक्षित रूप से प्रयोग किया जा सकता है, क्योंकि अन्य सौंदर्य प्रसाधनों के मुकाबले इसमें कोई भी सिंथेटिक संघटक विद्यमान नहीं होते तथा अन्य तेलों की उपेक्षा नारियल तेल से कभी दुर्गन्ध भी नहीं आती, नारियल तेल तथा ऑर्गन तेल आधारित होंठ बाम तथा होंठ क्रीम सर्दियों में होठों के सौंदर्य में प्रयोग की जा सकती है। सर्दी के मौसम में नमी की कमी के इलावा शरीर में पोषाहार तत्वों की कमी की वजह से भी होंठ फट जाते है। शरीर में विटामिन-ए, सी तथा बी-2 की कमी से कई बार होठों में दरारें आ जाती है तथा खून बहना शुरू हो जाता है। सर्दियों में अगर आपके होंठ लगातार फट रहे है तथा सामान्य घरेलू उपचारों द्वारा राहत नहीं मिल रही है तो आप बाहरी सौन्दर्य प्रसाधनों की बजाय अपने खान-पान पर यादा ध्यान दीजिए। आप खट्टे फल, पका पपीता, टमाटर, हरी पत्तों वाली सब्जियां, गाजर, जैई तथा दूध वाले पदार्थों को जरूर शामिल कीजिए, लेकिन यदि आप डायबिटिज या उच्च रक्तचाप की समस्या से भी जूझ रहे हैं तो अपने डाईट में बदलाव से पहले डाक्टर से जरूर सलाह मशवरा कर लीजिए।

सम्पादकीय...

नए इतिहास रचे

वर्ष 2025 भारत और विश्व के लिए घटनाओं से भरा एक असाधारण कालखंड रहा। यह वर्ष केवल कैलेंडर का एक अध्याय नहीं, बल्कि अनुभवों, उपलब्धियों, त्रासदियों, संघर्षों और उम्मीदों की एक जीवंत कहानी बन गया। शायद ही कोई महीना ऐसा रहा हो जिसने समाज, राजनीति, कूटनीति, विज्ञान, खेल या जनमानस को किसी न किसी रूप में प्रभावित न किया हो। जनवरी माह की बात करें तो आपको बता दें कि साल की शुरुआत प्रयागराज महाकुंभ से हुई, जिसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति का विराट प्रदर्शन किया। करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बना दिया। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर आस्था का यह महासागर जहां एक ओर भारत की परंपराओं की गहराई दिखाता है, वहीं अत्यधिक भीड़, यातायात अव्यवस्था और कुछ स्थानों पर अफरातफरी ने प्रशासनिक तैयारियों और भीड़ प्रबंधन की चुनौतियों को भी उजागर किया। यह आयोजन आस्था और सुरक्षा के संतुलन की आवश्यकता का प्रतीक बन गया। फरवरी महीना दिल्ली के लिए अत्यंत संवेदनशील और निर्णायक साबित हुआ। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ यात्रियों की अचानक बढ़ी भीड़ के कारण मची अफरातफरी में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। इस त्रासदी ने सार्वजनिक परिवहन की तैयारी और आपात प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसी महीने दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर लंबे अंतराल के बाद पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की, जबकि आम आदमी पार्टी के राजनीतिक प्रभाव में स्पष्ट गिरावट देखी गई। मार्च अपेक्षाकृत शांत रहा, लेकिन इसी महीने खेल प्रेमियों के बीच एशिया कप को लेकर उत्साह चरम पर पहुंचा। भारत ने दुबई में तीसरी बार आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसी महीने महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा भड़की जिसमें 30 लोग घायल हो गये और जानमाल का काफी नुकसान हुआ। अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला पूरे देश के लिए गहरा आघात साबित हुआ। पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद का खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। निर्दोष नागरिकों की मौत ने जनमानस को झकझोर दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस तेज हो गई। मई में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी बदली हुई रणनीति का परिचय दिया। भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमापार आतंकी ठिकानों पर निर्णायक कार्रवाई की गई। इस अभियान ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब केवल संयम नहीं, बल्कि ठोस और प्रभावी कार्रवाई की नीति पर आगे बढ़ चुका है। जून दो अलग अलग कारणों से इतिहास में दर्ज हुआ। एक ओर यह महीना नागरिक उड्डयन के लिए अत्यंत दुखद साबित हुआ जब अहमदाबाद से उड़ान भरते ही एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने सैकड़ों परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया और विमान सुरक्षा, तकनीकी निगरानी तथा निजी एयरलाइनों की जवाबदेही पर राष्ट्रीय बहस छेड़ दी। दूसरी ओर, इसी महीने भारत ने विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जून में एक्सिओम चार मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे। वे अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने। उन्होंने स्टेम सेल अनुसंधान, अंतरिक्ष कृषि जैसे प्रयोग किए, जो भारत के गगनयान कार्यक्रम के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। जुलाई महीना खेल और विज्ञान दोनों के लिए यादगार रहा। खेल जगत में भारत ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपना नौवां खिताब जीता। यह पांच विकेट की जीत आंकड़ों से कहीं आगे थी। भारत पाकिस्तान क्रिकेट मुकाबला केवल खेल नहीं, बल्कि भावनाओं का रंगमंच बन गया। युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा की सराहना हुई, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता सिद्ध की। इस जीत ने देश भर में उत्सव का माहौल बना दिया। इसी महीने शुभांशु शुक्ला अठारह दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सुरक्षित पृथ्वी पर लौटे। उन्होंने माइक्रोग्रैविटी में शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव, सूजन, पीठ दर्द और मतली जैसे अनुभव साझा किए, साथ ही पृथ्वी को अंतरिक्ष से देखने के अनुभव को जीवन बदल देने वाला बताया। हालांकि जुलाई में आरसीबी की आईपीएल जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ ने खुशी को मातम में बदल दिया, जिसने एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर किया। जुलाई में जगदीप धनखड़ ने अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर राजनीतिक रूप से सनसनी भी फैला दी थी। अगस्त में स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में आतंकवाद के विरुद्ध सख्त नीति, राष्ट्रीय एकता और आत्मनिर्भर भारत पर विशेष जोर दिया गया। इसी महीने प्रधानमंत्री एससीओ सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की व्यापार नीतियों में बदलाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल देखी गई, जिसका असर भारत पर भी पड़ा। सितंबर में सीपी राधाकृष्णन भारत के नये उपराष्ट्रपति चुने गये। इसी महीने में भारतीय वायुसेना ने औपचारिक रूप से मिग-21 लड़ाकू विमानों की विदाई दी। अक्टूबर कूटनीति और उपलब्धियों का महीना रहा। भारत ने काबुल में स्थित अपने तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास में उन्नत किया, जो तालिबान की वापसी के बाद अफगानिस्तान में भारत की पहली औपचारिक कूटनीतिक विस्तार पहल थी। इसी महीने भारत को अपनी पहली मिसेज यूनिवर्स विजेता भी मिली। शेरी सिंह ने फिलीपींस में आयोजित 48वें संस्करण में यह खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया। इसके साथ ही डिजिटल इंडिया के तहत नए साइबर सुरक्षा कानून और एआई नियमन नीति लागू हुई, जिसने तकनीक और निजता के संतुलन पर नई बहस को जन्म दिया। नवंबर महीना खेल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हुआ।

भारत ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार महिला क्रिकेट विश्व कप जीता। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल करना महिला वनडे इतिहास की सबसे बड़ी सफल रन चेज में से एक रहा। इसी महीने भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम ने पहली ब्लाइंड विमेंस टी ट्वेंटी विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री ने स्वयं टीम को सम्मानित किया। यह टूर्नामेंट दृष्टिबाधित महिला खिलाड़ियों के लिए समावेशन और वैश्विक पहचान की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हुआ। हालांकि इसी महीने लाल किले के पास हुए विस्फोट ने सुरक्षा एजेंसियों को फिर सतर्क कर दिया और संदेश दिया कि आतंकवाद का खतरा बरकरार है।

पाकिस्तान का कबूलनामा

आतंकवादियों की पनाहगाह पाकिस्तान हमेशा ही वैश्विक मंचों पर अपनी झूठ और बुजदिल हरकतों के चलते शर्मसार होता आया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी ताकत का झूठा बखान करने वाला पाकिस्तान एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने नग्न हुआ है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री ईशाक डार ने जो कुछ खुद खुलासा किया है उससे ढोल की पोल खुल गई है। पाकिस्तानी राष्ट्रपति जरदारी ने स्वीकार किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूर्ण युद्ध की आशंका से पाकिस्तानी सेना थरथर कांप रही थी। बल्कि पाकिस्तान का शीर्ष नेतृत्व बेहद खौफजदा हो गया था। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रणनीतिक और सटीक हमलों के प्रभाव को स्वीकार करते हुए कहा कि सैन्य सचिव ने उन्हें बंकर में छिपने की सलाह दी थी। यद्यपि जरदारी ने बहुत शब्द जाल फैलाते हुए भारत को धमकी दी कि भविष्य में उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा लेकिन वह पाकिस्तान के सच को छिपा नहीं सके। जरदारी का यह बयान पाकिस्तान की कमजोर स्थिति को उजागर करता है। विदेश मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री ईशाक डार ने भी वर्ष के अंत में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पुष्टि की कि भारत ने रावलपिंडी के चकाला स्थित उनके नूर खान एयर बेस को निशाना बनाया था जिससे उनकी सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा और वहां तैनात कर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि भारत ने 36 घंटों के भीतर पाकिस्तानी क्षेत्र में कई ड्रोन भेजे थे और एक ड्रोन ने सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाया जो आपरेशन के पैमाने और सटीकता को उजागर करता है। विदेश मंत्री ने दावा किया कि उन्होंने (भारत ने) पाकिस्तान की ओर ड्रोन भेजे। 36 घंटों में कम से कम 80 ड्रोन भेजे गए, हम 80 में से 79 ड्रोनों को रोकने में सफल रहे और केवल एक ड्रोन ने सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाया और हमले में कर्मी भी घायल हुए। पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में नौ आतंकी शिविर भी ध्वस्त हुए। इस टिप्पणी से डार ने मई में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर भारत द्वारा की गई रणनीतिक कार्रवाई को स्वीकार किया। पहलगाम हमले में 26 नागरिकों की हत्या के बाद अपनी कार्रवाई में 'भारत के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर बेहद सटीक हमले किए'। गम्भीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई और कर्ज में डूबे पाकिस्तान के पास न तो मजबूत अर्थव्यवस्था है और न ही लम्बी सैन्य तैयारी की क्षमता। ऐसे में पाकिस्तानी सेना के बंकरों में छिपने की बात यह दिखाती है कि पाकिस्तान भीतर से कितना असुरक्षित और दबाव में है। पाकिस्तान एयरलाइंस प्राइवेट हाथों में बिक चुकी है। गुजरात (भारत) से गए आरिफ हबीब ने 135 बिलियन पाकिस्तानी रुपए में एयरलाइंस को खरीद लिया। कुल मिलाकर पाकिस्तान को 4300 करोड़ रुपए ही मिले हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि आरिफ हबीब का तो केवल नाम है पैसा उसमें भी पाकिस्तान के राजनीतिज्ञों का ही लगा हुआ है। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर सत्ता कब्जाने के चक्कर में अपने ही देशवासियों पर यादतियां कर रहे हैं जिससे पाकिस्तान में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। सीमाओं पर तैनात उसकी फौजें अपनी जान बचाकर भाग रही है।

पाकिस्तानी सैनिक सिर्फ मैदान ही नहीं छोड़ रहे, बल्कि मुनीर की नीतियों से परेशान होकर जान भी गंवा रहे हैं। मुनीर ने घर के अंदर और बाहर अपने दुश्मन बढ़ा लिए है। सेना में भी मुनीर के खिलाफ बगावत की सुगबुगाहट सुनने को मिल रही है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाता है तो वो सबसे पहले अपनों को और अपने करीबियों को ही निगल जाता है। ऑपरेशन सिंदूर में करारी हार के बावजूद मुनीर को फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई। मुनीर का बढ़ता ओहदा उसे जालिम और जेहादी बना रहा है। मुनीर भारत के खिलाफ लगातार षड्यंत्र रच रहा है और बांग्लादेश में भी भारत विरोधी भावनाओं के उभार में उसकी ही साजिशें चल रही है। पाकिस्तान सेना में इन दिनों लेफ्टिनेंट से लेकर कर्नल तक जूनियर ऑफिसर और जवान बहुत यादा तनाव का सामना कर रहे हैं। पिछले 3 वर्षों में पाकिस्तानी फौज में हजारों की संख्या में इस्तीफे दिए जा चुके हैं। इसकी वजह पाकिस्तान के बनाए वे दुश्मन है जो उसके ही ताबूतों में कीलें ठोक रहे हैं। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और पाक अधिकृत कश्मीर की आजादी के लिए लड़ने वाले लोगों ने पाकिस्तान के फौजियों का ऐसा हश्र कर दिया है कि वे मोर्चा छोड़कर भाग रहे है और फौज से ही फरार हो रहे हैं। एक तरफ मुनीर सारे नियम कायदे ताक पर रखकर अपनी जेब गर्म कर रहा है। जंगी मंसूबों की आड़ में डॉलर्स जुटा रहा है। दूसरी तरफ टीटीपी और बलूचों के हाथों पाकिस्तान की कायर फौज या तो अपनी पतलूनें छोड़कर भाग रही है या फिर जहन्नुम पहुंच रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पाकिस्तान की 22 फीसदी आबादी भुखमरी का शिकार है। 20 फीसदी पाकिस्तानी इमरजेंसी लेवल के गरीबी से पीड़ित है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 40 फीसदी बच्चे कुपोषण के शिकार हैं लेकिन मुनीर अपनी सेना पर 20 फीसदी खर्च यादा कर रहा है।

उसके बाद भी पाकिस्तान की भगोड़ी फौज के हालात ये हैं कि 2022 से अब तक तकरीबन 6000 पाकिस्तानी सैनिक अलग-अलग मोर्चों पर मारे जा चुके हैं। अब तो हर पाकिस्तानी यही दुआ कर रहा है कि मुल्क को इस मुनीर से आजादी मिल जाए। मुनीर ने इस वक्त पाकिस्तान को तीन मोर्चों की जंग में झोंक रखा है कि अब वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है। पड़ोसी अफगानिस्तान से उसके संबंध इतने तनावपूर्ण हो चुके हैं कि अगर दोनों में टकराव हुआ तो पाकिस्तान को जबरदस्त नुकसान होगा। अब तो खाड़ी देश भी पाकिस्तान के साथ खड़े दिखाई नहीं देते। पाकिस्तानी सेना के जवान और अवाम मुनीर से मुक्ति चाहते हैं।

2025 में बीजेपी और एनडीए को मिली सफलताओं ने भविष्य की राजनीति की दिशा तय कर दी है

साल 2025 भारतीय राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक वर्ष बनकर सामने आया। यह वर्ष केवल चुनावी आंकड़ों की कहानी नहीं बयां करके जा रहा है बल्कि उस गहरे जन विश्वास का साक्ष्य देकर जा रहा है जो भाजपा ने निरंतर अपने कार्य, नीति और संगठनात्मक अनुशासन से अर्जित किया है। साल की शुरुआत से लेकर अंत तक, चाहे दिल्ली विधानसभा चुनाव हो, विभिन्न राज्यों के नगर निकाय और पंचायत चुनाव हों या फिर बिहार विधानसभा का महासंग्राम, भाजपा ने हर मोर्चे पर यह साबित कर दिया कि वह आज भी जनता की पहली पसंद बनी हुई है। साल की शुरुआत दिल्ली विधानसभा चुनाव से हुई, जहां भाजपा ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि देश की राजधानी को स्थिर, सक्षम और दूरदर्शी शासन की आवश्यकता है। विकास, बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छ प्रशासन और राष्ट्रीय दृष्टि के मुद्दों को केंद्र में रखकर लड़ा गया यह चुनाव मुफ्त सौगातों की राजनीति करने वालों पर भारी पड़ा। दिल्ली के मतदाता ने यह महसूस किया कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, बल्कि परिणाम देती है। इस जीत ने वर्ष 2025 के राजनीतिक स्वर को साल के शुरू में ही तय कर दिया था। दिल्ली विधानसभा चुनावों के बाद महाराष्ट्र, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, असम जैसे राज्यों में हुए नगर निकाय और पंचायत चुनावों में भाजपा की अपार सफलता ने यह साबित कर दिया कि पार्टी की पकड़ केवल विधानसभा और लोकसभा तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र के शहरी निकायों से लेकर असम और अरुणाचल के गांवों तक, भाजपा ने स्थानीय मुद्दों को समझते हुए विकास का भरोसा दिया। गोवा में स्थिर प्रशासन और पारदर्शिता की छवि ने मतदाताओं को प्रभावित किया, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और केंद्र सरकार की सक्रिय भागीदारी ने भाजपा को मजबूत आधार प्रदान किया। पंचायत और निकाय स्तर पर मिली ये जीतें इस बात का प्रमाण हैं कि भाजपा जमीनी राजनीति में भी अजेय होती जा रही है। भाजपा की इस निरंतर विजय का एक प्रमुख आधार है उसका मजबूत संगठन और बूथ स्तर तक फैला कार्यकर्ता नेटवर्क। पार्टी सभी चुनावों को एक मिशन के रूप में लड़ती है। हर बूथ पर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी तय होती है, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया जाता है और स्थानीय समस्याओं को एजेंडे में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि भाजपा अक्सर वहां भी चमत्कार कर दिखाती है, जहां मुकाबला कठिन माना जाता है। संगठन की यह तल्लीनता और अनुशासन भाजपा को अन्य दलों से अलग खड़ा करता है। इस पूरी विजय यात्रा के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरा है। मोदी का नेतृत्व जनता को इसलिए भा रहा है क्योंकि उनमें निर्णय क्षमता, स्पष्ट दृष्टि और राष्ट्र प्रथम का भाव साफ दिखाई देता है। प्रधानमंत्री की कार्यशैली ने जनता के मन में यह भरोसा पैदा किया है कि देश सुरक्षित हाथों में है। चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल हो, आर्थिक सुधार हों या फिर गरीब और मध्यम वर्ग के कल्याण की योजनाएं, मोदी के नेतृत्व में लिए गए फैसलों ने भाजपा को एक विश्वसनीय राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित किया है। चुनावों में यह भरोसा मतों में बदलता हुआ साफ नजर आता है।

2025 वर्ष का लेखा-जोखा; क्या खोया क्या पाया, आगत 2026 का स्वागत; विगत 2025 अलविदा

सुरेश सिंह बैस

वर्तमान दौर में भारत ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्थिति को लगातार सुदृढ़ किया है। आर्थिक विकास, विज्ञान-तकनीक, डिजिटल क्रांति, खेल और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां यह संकेत देती हैं कि देश आत्मनिर्भरता और प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सन् 2025 भारत के लिए एक तरफ उपलब्धियों, प्रगति और आत्मविश्वास का वर्ष रहा तो 2025 में देश के अनेक क्षेत्र में अभी बहुत काम बाकी है। जहाँ देश ने आर्थिक, वैज्ञानिक, डिजिटल, कूटनीतिक और खेल क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। वर्ष 2025 ने यह स्पष्ट किया कि भारत न केवल विकास की राह पर है, बल्कि भविष्य की दिशा भी तय कर रहा है।

2025 में भारत ने क्या पाया, राष्ट्रीय व वैश्विक खेल और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की, जिससे भारतीय खेल के स्तर में मजबूती दिखाई। सामाजिक-आर्थिक बदलाव के क्षेत्र में देखें तो 1 जुलाई 2025 से लागू हुए कई नए वित्तीय नियमों और पॉलिसियों के कारण आम आदमी के लिए बचत और नियम-व्यवस्था में बदलाव आया, जिसे कई लोगों के लिए उपयोगी माना गया। राष्ट्रीय और सुरक्षा क्षेत्र में तैयारी तीव्र गति से बढ़ी है। ऑपरेशन अभ्यास नामक 7 मई 2025 को आयोजित देशव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास से देश की आपदा प्रबंधन और सुरक्षा तत्परता को और मजबूत किया गया। वैश्विक मंच पर भारत ने प्रभावित करते हुए भारत ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में संतुलित और जिम्मेदार भूमिका निभाई है। विकासशील देशों की आवाज़ को वैश्विक मंच पर मजबूती से उठाने में भारत अग्रणी रहा। विश्व शांति, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर भारत की भूमिका को व्यापक सराहना मिली है। भारत विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। डिजिटल भुगतान प्रणाली, विशेषकर यूपीआई ने देश को डिजिटल लेन-देन में वैश्विक पहचान दिलाई है। स्टार्ट-अप संस्कृति, स्वदेशी उत्पादन और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों से रोजगार और निवेश को बढ़ावा मिला है। विज्ञान और अंतरिक्ष में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कम लागत और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ कई सफल मिशनों को अंजाम दिया। इससे भारत विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल हुआ है। शिक्षा और युवा शक्ति के रूप में भारत में वैश्विक शक्ति हासिल कर ली। नई शिक्षा नीति के माध्यम से कौशल-आधारित और रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर जोर दिया गया है। तकनीकी शिक्षा, स्टार्ट-अप और नवाचार के क्षेत्र में युवा वर्ग की भागीदारी बढ़ी है, जो देश के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। महिला खिलाड़ियों की बढ़ती सफलता और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने वाली योजनाओं ने खेल जगत में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। सन् 2025 में भारतीय खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महिला और युवा खिलाड़ियों की सफलता ने देश को गौरवान्वित किया। खेलो इंडिया जैसे अभियानों से जमीनी प्रतिभाओं को नया मंच मिला।सामाजिक और पर्यावरणीय पहल के तहत स्वच्छता, स्वास्थ्य, आवास और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं ने आम नागरिक के जीवन स्तर में सुधार किया है।

पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता भविष्य के लिए आशा जगाती है। कुल मिलाकर, भारत की उपलब्धियाँ यह दर्शाती है कि देश चुनौतियों के बीच भी विकास, आत्मनिर्भरता और नवाचार के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। मजबूत नीतियाँ, युवा शक्ति और तकनीकी प्रगति भारत को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित कर रही है। सन् 2025 में भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बना रहा। औद्योगिक निवेश में वृद्धि, स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा और स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों से आर्थिक गतिविधियों में तेज़ी आई। डिजिटल भुगतान प्रणाली और वित्तीय समावेशन ने आम नागरिक की अर्थव्यवस्था में भागीदारी को मजबूत किया। डिजिटल लेन-देन, ई-गवर्नेंस और तकनीकी नवाचारों के क्षेत्र में भारत ने नई उपलब्धियाँ हासिल कीं। यूपीआई और डिजिटल सेवाओं के विस्तार से भारत विश्व के अग्रणी डिजिटल देशों में शामिल हुआ। सरकारी सेवाओं के ऑनलाइन होने से पारदर्शिता और सुशासन को बल मिला। स्वास्थ्य, आवास, स्वच्छता और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं ने करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया। नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाए गए कदमों ने सतत विकास की नींव को मजबूत किया।कुल मिलाकर सन् 2025 भारत के लिए उपलब्धियों का वर्ष रहा। चुनौतियों के बावजूद देश ने विकास, आत्मनिर्भरता और नवाचार के रास्ते पर निरंतर प्रगति की। भारत की ये उपलब्धियाँ आने वाले वर्षों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करती हैं।

2025 में भारत ने क्या खोया, प्राकृतिक आपदा और मानवीय त्रासदी

2025 वर्ष के दौरान देश के कई हिस्सों में भारी हादसे और अप्रिय घटनाओं में सैकड़ों लोगों की जानें गईं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा तैयारियों पर सवाल उठे। देश के कुछ हिस्सों में आतंकवाद और सुरक्षा समस्याएँ बनी रहीं, जिनमें पहलगाम आतंक हमला जैसी घटनाओं के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जवाबी कार्रवाई बढ़ाई। नवंबर 2025 में दिल्ली और आसपास जहरीले स्मॉग की गंभीर स्थिति ने वायु गुणवत्ता के मुद्दे को उभारा, जिससे स्वास्थ्य पर असर हुआ।

सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ता बोझ असहनीय

सड़क सुरक्षा के सारे खराब रिकार्ड भारत, के खाते में है। हाईवे आम तौर पर डराते हैं, शहरी और ग्रामीण सड़कों पर दोपहिया वाहन सवार तरह-तरह के जोखिमों के बीच चलते है, फुटपाथों की सुरक्षा सरकारें तो क्या सुप्रीम कोर्ट भी नहीं कर पा रहा है ताकि कम से कम पैदल चलने वालों की जान बच सके। नितिन गडकरी ने हाईवे और एक्सप्रेस वे तो बनवाए, लेकिन वह उन्हें सुरक्षित नहीं बना सके। पिछले साल के आंकड़े बताते हैं कि मार्ग दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या पौने दो लाख के करीब पहुंच गई है यानी एक दशक के भीतर लगभग तीन गुनी वृद्धि। 2020 में जब मोटर वाहन एक्ट में कुछ कड़े प्रविधान किए गए थे तो यह कल्पना की गई थी कि इनका कुछ सकारात्मक असर होगा, लेकिन राजनीतिक नुकसान की आशंका में राज्यों में इन्हें भी कुचल दिया गया। इसका मतलब है कि सड़क सुरक्षा के लिए जरूरी माना गया एक ई यानी इन्फोर्समेंट लचर बना हुआ है। बाकी तीन ई-यानी एजुकेशन, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर का भी यही हाल है। बातें दस्तावेज और नोट तक सीमित हैं। समस्या यह है कि नए-नए हस्तक्षेप तो किए जा रहे हैं, लेकिन अनियंत्रित ई रिक्शा और जुवेनाइल ड्राइविंग जैसी नई-नई चुनौतियां भी गंभीर होती जा रही है। हर हादसे को तेज रफ्तार का नतीजा बता देने वाले लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं कि हाईवे और एक्सप्रेस वे तेज 8 साल के इंतजार और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इस वर्ष से किसी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को कैशलेस उपचार की योजना पूरे देश में लागू करने की घोषणा की गई, लेकिन अभी भी यह पायलट प्रोजेक्ट वाले मोड में ही है। हाईवे रफ्तार के लिए ही बनाए जाते हैं। कारों में सुरक्षा के लिए छह एयरबैग्स से लेकर राजमार्गों पर सीसीटीवी कैमरा और एआइ आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग बढ़ने की बात पर अमल जरूर होने लगा है, ब्लैक स्पाट्स भी पहचान कर सुधारे जा रहे हैं मगर सबसे अधिक जरूरत जनता के बीच वह माहौल बनाने की है जहां गलतियां जानलेवा न बनने पाएं।

हवा भी हुई अब जहरीली

2024 में भारत दुनिया का पांचवां सबसे प्रदूषित देश था। 2025 में भी खास सुधार नहीं हुआ जबकि वायु प्रदूषण को भारत में जीवन प्रत्याशा के लिए सबसे बड़ा बाहरी खतरा बताया गया है! दरअसल वायु प्रदूषण अब पूरे देश का संकट है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब के छोटे शहर हो या फिर दिल्ली-मुंबई जैसी मेगासिटी, जहरीली हवा हर जगह है। एक और साल जहरीली हवा में सांस ले ही बीता...इस धुंधली आस में कि शायद जिम्मेदार जागें और जहरीली हवा से निपटने का उपाय करेंगे। देश की राजधानी और एनसीआर के अन्य शहरों की हवा में साल दर साल जहर, बढ़ता ही जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने कदम ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/...)

दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उठाये जायें ठोस कदमः कमिश्नर

मुरादाबाद।

आयुक्त आन्जनेय कुमार सिंह एवं मुनिराज डीआईजी की गरिमामयी उपस्थिति में चतुर्थ मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में अध्यक्ष मण्डलायुक्त द्वारा मण्डल के समस्त जनपदों में मानक के अनुसार निर्धारित जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा की बैठकें कराने हेतु निर्देशित किया गया। संभाग के समस्त सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) को दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही बिना हेलमेट लगाये दो पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ब्लैक स्पॉट के संबंध में

चतुर्थ मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

अध्यक्ष महोदय द्वारा सभी ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के साथ-साथ दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिये गये, जिसमें मार्किंग, रोड साइनेज, स्पीड टेबल पर मार्किंग आदि हेतु निर्देशित किया गया। सोलेशियम स्कीम के अन्तर्गत मिलने वाली सहायता के संबंध में अवशेप प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि मानक के अनुसार निर्धारित जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठकें करायी जायें। मण्डलायुक्त द्वारा दुर्घटनाओं पर

अंकुश लगाने के दृष्टिगत एनएचएआई एवं पीडब्लूडी को मण्डल के समस्त मुख्य मार्गों पर केन व एम्बुलेंस की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। सभी ब्लैक स्पॉट्स पर साईनेज, रिफ्लेक्टर, रम्बल स्ट्रिप, ब्लिंकर लगाने हेतु लगाने हेतु निर्देशित किया गया। दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत सभी ब्लैक स्पॉट्स पर लाईटिंग की व्यवस्था अतिशीघ्र करने के निर्देश अध्यक्ष महोदय द्वारा दिये गये। मण्डलायुक्त द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की संख्या, मृतकों की संख्या एवं घायलों की संख्या में कमी लाने हेतु मण्डल के सभी जिलों में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। जनपद मुरादाबाद में सोलेशियम स्कीम के अधिक प्रकरण लंबित होने के कारण सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मुरादाबाद को तत्काल प्रकरण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही मण्डल के अन्य समस्त जिलों को भी लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों में पुलिस विभाग द्वारा सस्पेंड करने हेतु प्रेपित किये गये ड्राइविंग लाइसेंसों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये। साथ ही जिन जनपदों में पुलिस विभाग द्वारा प्रवर्तन / सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों में ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड हेतु प्रेपित नहीं किये गये हैं, उनको तत्काल प्रेपित करने हेतु निर्देश किया गया एवं समुचित संख्या में ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने के निर्देश दिये गये। बैठक में अरूण कुमार सिंह, अपर आयुक्त (प्रथम), पंकज वर्मा, सचिव एमडीए, आशुतोष कुमार एएमसी नगर निगम, सुभाष गंगवार पुलिस अधीक्षक (यातायात), राजेश सिंह संभागीय परिवहन अधिकारी, संदीप कुमार पंकज संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), अनुराग यादव आरएम, राजेश सिंह, सीओ (ट्रैफिक) आदि मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये लोकबंधु राजनरायन जी

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर लोकबंधु राजनरायन जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर समाजवादी आंदोलन में उनके योगदान पर चर्चा की गई। महानगर अध्यक्ष इक़बाल हुसैन अंसारी ने कहा कि राजनरायन जी जहाँ अन्याय होता देखते थे विरोध में खड़े हो जाते थे। डाकटर राम मनोहर लोहिया के नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन में बढ़ चढ़ कर भाग लिया और आज़ादी के आंदोलन में भी सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर सभी को उनके विचारों से प्रेरित होकर कार्य करने के लिये कहा। इस अवसर पर मो शमशाद, अकरम अंसारी, लईक अहमद,मुशरफ खाँ,मुहम्मद आलम,नाजिर अंसारी,शुबहान अंसारी, राशिद भाई,मसरूर हसन, कमरूजमा सैफी, दाऊद अंसारी, मो. अजीम, अहमद मुरादाबादी,नोमान पाशा,नसीम पाशा,फ़हीम मंसूरी वसीम अकरम हाजी शाहिद गामा सलमान अंसारी फरमान अर्श अंसारी ,राशिद अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता इक़बाल हुसैन अंसारी (महानगर अध्यक्ष) और संचालन महानगर महासचिव गजेंद्र सिंह यादव ने किया।

टीएमयू एरिदमिया के टैलेंट हंट में मेडिकल स्टुडेंट्स का जलवा ही जलवा

मुरादाबाद।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के स्पोर्ट्स, कलचरल एंड टैलेंट इवेंट- एरिदमिया 2025 के फैशन शो की ब्वायज़ प्रतियोगिता में एमबीबीएस थर्ड ईयर 2023-24 के मानिक शहरावत- अश्वथामा, जबकि गर्ल्स में एमबीबीएस थर्ड ईयर की वंशिका शर्मा- एथेना विजेता रहीं। टैलेंट एंड हंट प्रतियोगिता में एमबीबीएस बैच 2025-26 के आर्यन लाखर विजेता रहे। ओजी फाइनल ईयर 2024-25 की खुशी जैन- क्वीन ऑफ हार्ट्स और ओजी फाइनल ईयर 2021-22 की कशिश जैन- हार्ले क्वीन ने शॉ टॉपर का खिताब अपने नाम किया।

बेस्ट वॉक का टाइटल ओजी फाइनल ईयर 2021-22 की तिथि- मां गंगा और नेपो फाइनल ईयर 2022-2× की कृष्णगी- राधा रानी को मिला। इससे पूर्व कुलाधिपति सुरेश जैन, मुरादाबाद की जिला

पंचायत अध्यक्षा डॉ. शेफाली सिंह चौहान ने बतौर मुख्य अतिथि, फर्स्ट लेडी वीना जैन, निदेशक प्रशासन अभिषेक कपूर, मेडिकल साइंसेज के डीन प्रो. एसके जैन, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. एनके सिंह, वाइस प्रिंसिपल प्रो. प्रीथपाल सिंह मटरेजा, फैकल्टी ऑफ पैथोलॉजी की एचओडी एवम् एरिदमिया- 2025 की कन्वीनर प्रो. सीमा अवस्थी आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्र'ज्वलित करके ऑडी में कार्यक्रम का श्रीगणेश किया। इस मौके पर डायरेक्टर ऑफ फाइनेंसगौरव अग्रवाल, चीफ वॉर्डन विपिन जैन आदि की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। कुलाधिपति सुरेश जैन एवम् फर्स्ट लेडी श्रीमती वीना जैन ने पैथोलॉजी की एचओडी एवम् एरिदमिया- 2025 की कन्वीनर प्रो. सीमा अवस्थी को अविस्मरणीय प्रोग्राम के लिए दिल की गहराइयों से बधाई देते हुए कहा, तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के भावी डॉक्टर्स के टैलेंट्स की कायल है। मुख्य अतिथि डॉ. शेफाली सिंह चौहान ने टीएमयू के मेडिकल स्टुडेंट्स को चिकित्सा जगत के प्रति उनके दायित्व, सेवा-भाव एवम् नैतिक जिम्मेदारियों का स्मरण कराया। उन्होंने स्टुडेंट्स को समाज के प्रति समर्पित एवम् संवेदनशील चिकित्सक बनने का संदेश दिया। ब्वायज़ के फैशन शो में थर्ड ईयर के 2023-24 चिराग सिकरी- अर्जुन द्वितीय, जबकि फर्स्ट ईयर 2025-26 के आर्यन कुमार मिश्रा- वैंपायर तृतीय स्थान पर रहे। गर्ल्स के फैशन शो में ओजी फाइनल ईयर 2021-22 की धान्या शुक्ला- मां दुर्गा ने दूसरा और नेपो फाइनल ईयर 2022-2× की यूविका सचान- देवी गैया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। टैलेंट एंड हंट प्रतियोगिता में बैच 2023-24 के आनन्द खेरा, सक्षम यादव और मनन सिंह दूसरे स्थान पर रहे। बैच 2024-25 की हिमानी गुप्ता और भूमिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

झांसी में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, सीजीएसटी के अफसर 70 लाख रुपए की घूस लेते गिरफ्तार

लखनऊ । सीबीआई ने झांसी में सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सीजीएसटी) की डिप्टी कमिश्नर समेत पांच लोगों को घूसखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई, लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच की टीम ने मंगलवार को झांसी में डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी और दो टैक्स अधीक्षकों को हार्डवेयर की दुकान चलाने वाले कारोबारी से 70 लाख रुपये की घूस लेते हुए दबोचा था, जिसके बाद एक अधिवक्ता और कारोबारी को भी गिरफ्तार कर सभी के ठिकानों पर छापे मारे, जिसमें 90 लाख रुपये नकदी के साथ चांदी के बार और सोने के जेवरात बरामद किए हैं। सीबीआई की टीमों ने बुधवार को आरोपियों के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई के बाद उनका मेडिकल चेकअप कराया, जिसके बाद उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाया जा रहा है। सीबीआई के गोपनीय सूचना मिलने पर झांसी में यह ऑपरेशन अंजाम दिया।

प्रखर वक्ता एवं दूरदर्शी नेता थे वे अटल जीः सुभाष यदुवंशी

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय बुद्धि विहार पर भारत रत्न भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी वर्ष को अटल स्मृति वर्ष पर अटल स्मृति सम्मेलन एवं साथ ही एसआईआर कार्यशाला का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम मुख्य अतिथि सुभाष यदुवंश,विशिष्ट अतिथि हरीश ठाकुर,महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला,एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, महापौर विनोद अग्रवाल, एवं के के मिश्रा ने भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला एवं संचालन महानगर उपाध्यक्ष विशाल त्यागी ने किया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश ने विस्तार से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जीवन पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा अटल जी एक भारतीय राजनेता थे। वे एक प्रखर वक्ता एवं दूरदर्शी नेता थे वे अ'छे कवि और पत्रकार भी थे उनका जन्म ग्वालियर में हुआ था वे 1951में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए वे जनसंघ संस्थापक सदस्य में से एक थे अटल तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने, विपक्षी दल भी उनका सम्मान करते थे। प्रधानमंत्री रहते उनका सबसे उल्लेखनीय कार्यकाल 1999 से 2005 तक का पूरा कार्यकाल रहा जिसमें उन्होंने कारगिल युद्ध का प्रबंधन किया उन्हें भारत रत्न सहित कई सम्मान मिले। क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने कहा कि अटल जी एक राजनेता कवि होने के साथ साथ एक पत्रकार भी थे उन्होंने राष्ट्र धर्म पांचजन्य और वीर अर्जुन जैसी पत्रिकाओं का संपादन भी किया। एसआईआर पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि एसआईआर का एक तिहाई कार्य पूर्ण हो चुका है अब आगे आने वाली बूथ लिस्ट को चेक करना है। इस अवसर पर,महापौर विनोद अग्रवाल,एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी के के मिश्रा, प्रांतीय परिषद सदस्य निमित जयसवाल,महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता,ब्लाक प्रमुख संतोष सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, एसआईआर महानगर संयोजक दिनेश सिसोदिया, देहात विधानसभा कार्यक्रम संयोजक विशाल त्यागी,शहर विधानसभा संयोजक शम्मी भटनागर, महानगर महामंत्री नत्थू राम कश्यप, सुमित अग्रवाल राजीव विश्नोई आदि महानगर, मंडल,मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी ,पार्षदगण, बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी, बीएलए - 2 आदि सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारीगण शामिल रहें।

योगी कैबिनेट में होगी 6 नए चेहरों की एंट्री!

भूपेंद्र चौधरी की वापसी तय! विस्तार की तैयारी तेज, दिल्ली रवाना हुए प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नियुक्ति के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, अब मंत्रिमंडल विस्तार होगा और 6 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस पर मंगलवार को हुई कोर कमेटी की एक अहम बैठक में भी चर्चा की गई। यह बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी दिल्ली रवाना हो गए, जहां वे पार्टी हाईकमान को बैठक में हुई चर्चाओं की जानकारी देंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद संघ, संगठन और सरकार की पहली संयुक्त बैठक थी, जिसमें आपसी परिचय भी हुआ। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को फिर से मंत्री बनाए जाने पर गंभीरता से विचार किया गया है। उनके साथ करीब 6 विधायकों को मंत्री बनाने की योजना है। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर खास जोर दिया जा रहा है। फिलहाल योगी सरकार में 54 मंत्री हैं, जबकि अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। यानी 6 नए मंत्रियों को शामिल करने की गुंजाइश है। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली से मंजूरी मिलने के बाद जनवरी या फरवरी 2026 में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है।

देहरादून में एंजेल चकमा हत्याकांड के खिलाफ दिल्ली के छात्रों का गुस्सा, जंतर-मंतर पर एनएसयूआई ने निकाला कैंडल मार्च

नई दिल्ली। देहरादून में नस्लीय घृणा से जुड़ी हिंसा की घटना को लेकर राजधानी दिल्ली में छात्रों का आक्रोश सड़कों पर देखने को मिला. नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने जंतर-मंतर पर कैंडल मार्च निकालकर पीड़ित छात्र अंजेल चकमा को न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. इस दौरान केंद्र और उत्तराखंड सरकार की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए गए. एनएसयूआई के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं जंतर-मंतर पर एकत्र हुए. हाथों में मोमबत्तियां लेकर उन्होंने नस्लवाद और घृणा अपराधों के खिलाफ एकजुटता दिखाई. छात्रों ने कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है कि नफरत किस हद तक बढ़ती जा रही है.

पहचान बनी हिंसा की वजह

बताया गया कि उत्तर-पूर्व से आने वाले अंजेल चकमा को उनकी पहचान और शक्ल-सूरत के कारण निशाना बनाया गया. आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें नस्लीय गालियां दीं और चीनी जैसे अपमानजनक शब्द कहे. छात्रों का कहना है कि ऐसी घटनाएं बताती हैं कि नस्लीय सोच अभी भी समाज में गहराई से मौजूद है.

कार्रवाई में देरी पर उठे सवाल

प्रदर्शन के दौरान उत्तराखंड की भाजपा शासित सरकार पर लापरवाही के आरोप लगाए गए. छात्रों ने कहा कि घटना के बाद करीब बीस दिनों तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और आरोपी खुलेआम घूमते रहे. जनाक्रोश बढ़ने और अंजेल की मौत के बाद ही एफआईआर दर्ज होना सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करता है. एनएसयूआई नेताओं का

कहना है कि यह घटना अलग नहीं है, बल्कि नफरत और विभाजन के माहौल का नतीजा है. संगठन ने आरोप लगाया कि इस तरह की सोच अपराधियों को बेखौफ बनाती है और उन्हें दंडमुक्ति का भरोसा देती है.

कैंडल मार्च को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि अंजेल चकमा की हत्या नफरत की सोच का नतीजा है, लेकिन न्याय की हत्या सरकार की चुप्पी ने की. उन्होंने कहा कि बीस दिनों तक कोई कार्रवाई न होना केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मिलीभगत की आशंका भी पैदा करता है.

उत्तर-पूर्व के लोगों के खिलाफ नफरत पर चिंता

वरुण चौधरी ने कहा कि उत्तर-पूर्व के लोगों के खिलाफ बढ़ती नफरत बेहद चिंताजनक है. बार-बार हो रहे हमले और आरोपियों का बेखौफ रवैया राजनीतिक संरक्षण की ओर इशारा करता है.

एनएसयूआई ने दोषियों को कड़ी सजा देने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की.

संविधान और समानता की बात

एनएसयूआई ने संविधान के मूल्यों का हवाला देते हुए कहा कि भारत हर भारतीय का है, चाहे वह किसी भी क्षेत्र या समुदाय से हो. किसी को भी उसकी पहचान या रूप-रंग के आधार पर निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए. संगठन ने अंजेल चकमा के परिवार के साथ खड़े रहने और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया.

नस्लवाद के खिलाफ संघर्ष जारी

कैंडल मार्च के जरिए एनएसयूआई ने साफ संदेश दिया कि नस्लवाद, घृणा अपराध और हिंसा के खिलाफ उसका संघर्ष जारी रहेगा. संगठन ने सरकार से त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने, भेदभाव खत्म करने और दंडमुक्ति की संस्कृति पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की.

100 एमजी से ज्यादा वाली निमेसुलाइड दवा बनाने-बेचने पर बैन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली निमेसुलाइड दवा के 100 मिलीग्राम से अधिक डोज की सभी ओरल (खाने वाली) दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है। जो दर्द तो कम करती है, लेकिन इसकी ज्यादा डोज से लिवर खराब होने का खतरा रहता है। यह प्रतिबंध केवल अधिक डोज (100 मिलीग्राम) वाली निमेसुलाइड पर लागू होगा। जबकि कम डोज की दवाएं मिलती रहेंगी। निमेसुलाइड ब्रांड बेचने वाली दवा कंपनियों को अब ज्यादा डोज वाली दवाओं का प्रोडक्शन बंद करना होगा। जो दवाइयां पहले से बाजार में मौजूद हैं उन्हें वापस मंगाना होगा।

दिल्ली में ईडी की बड़ी छापेमारी, 5.12 करोड़ कैश और 8.80 करोड़ की वेलरी जब्त

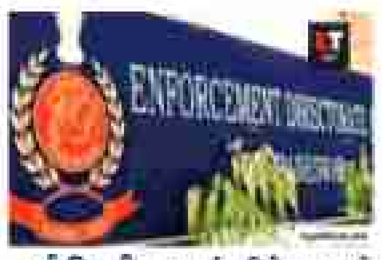

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के सर्वप्रिय विहार इलाके में मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए व्यापक स्तर पर छापेमारी की है। यह तलाशी अभियान 30 दिसंबर 2025 को शुरू किया गया था, जो अब तक लगातार जारी है। इस कार्रवाई के दौरान ईडी को करोड़ों रुपये की नकदी और भारी मात्रा में कीमती संपत्तियां बरामद हुई हैं, जिससे मामले की गंभीरता और दायरा और अधिक स्पष्ट हो गया है। छापेमारी के दौरान ईडी के जांच अधिकारियों ने 5.12 करोड़ की बड़ी नकद राशि जब्त की है। नकदी की मात्रा इतनी अधिक थी कि उसकी गिनती के लिए बैंक अधिकारियों को विशेष रूप से कैश काउंटिंग मशीनों के साथ मौके पर बुलाना पड़ा। नकदी अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखी गई थी, जिसे तलाशी के दौरान बरामद किया गया। नकदी के अलावा ईडी ने एक सूटकेस में भरे हुए सोने और हीरे के कीमती आभूषण भी जब्त किए हैं। इन गहनों की अनुमानित कीमत करीब 8.80 करोड़ बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि ये आभूषण अवैध धन से खरीदे गए हो सकते हैं और इन्हें संपत्ति के रूप में छिपाकर रखा गया था। इसके साथ ही ईडी को एक बैग से कई चेक बुक, महत्वपूर्ण वित्तीय दस्तावेज और विभिन्न संपत्तियों से जुड़े कागजात भी मिले हैं। इन दस्तावेजों की कुल अनुमानित वैल्यू करीब 35 करोड़ आंकी जा रही है। जांच एजेंसी इन दस्तावेजों की महत्ता से जांच कर रही है, ताकि धन के स्रोत, लेनदेन की कड़ियां और इसमें शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाया जा सके।

ढाका पहुंचे जयशंकर का गजब का धमाका, बांग्लादेश को हाथों-हाथ दिया मोदी का सीक्रेट संदेश!

नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को ढाका में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की और उनकी माता, पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि ढाका पहुंचने पर, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के पुत्र और बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक निजी पत्र तारिक रहमान को सौंपा। जयशंकर ने कहा कि मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी पत्र सौंपा।

मैंने भारत सरकार और जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने खालिदा जिया की विरासत और द्विपक्षीय संबंधों के लिए इसकी प्रासंगिकता पर भी विश्वास व्यक्त किया।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें विश्वास है कि बेगम खालिदा जिया की दूरदृष्टि और मूल्य हमारी साझेदारी के विकास का मार्गदर्शन करेंगे। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह ने कहा कि जयशंकर ने ढाका यात्रा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर बांग्लादेश के शोक में भारत की जनता और सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में हामिदुल्लाह ने कहा कि जयशंकर ने लोकतंत्र में खालिदा जिया के योगदान को स्वीकार किया और आगामी फरवरी 2026 के चुनावों के माध्यम से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक परिवर्तन के बाद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के बारे में आशा व्यक्त की। दुनिया भर से श्रद्धांजलि का तांता लगा रहा, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया का पार्थिव शरीर उनके गुलशन स्थित आवास फिरोजा में पहुंचा, जहां परिवार के सदस्यों और करीबी रिश्तेदारों ने नमाज-ए-जनाजा से पहले उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पार्थिव शरीर आवास पर पहुंच गया है, जहां परिवार के सदस्य और रिश्तेदार अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए हैं।

सपा सांसद का सनसनीखेज आरोपः पुलवामा हमला बीजेपी की थी चुनावी साजिश!

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता सनातन पांडे ने एक विवादास्पद बयान में दावा किया है कि 2019 में पुलवामा आतंकी हमला भाजपा की साजिश थी, क्योंकि पार्टी अपने चुनावी वादे पूरे करने में नाकाम रही थी। एएनआई से बात करते हुए सनातन पांडे ने कहा कि पुलवामा हमला, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हुए थे, किसी विदेशी साजिश का नतीजा नहीं था। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनावों से पहले हुआ पुलवामा हमला भारतीय जनता पार्टी की साजिश थी। 2014 में भाजपा ने दो करोड़ नौकरियां, किसानों की आय दोगुनी करने, महंगाई कम करने और काला धन वापस लाने का वादा किया था। पांच साल में उन्होंने अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा नहीं किया।

योगी कैबिनेट में होगी 6 नए चेहरों की एंट्री!

भूपेंद्र चौधरी की वापसी तय! विस्तार की तैयारी तेज, दिल्ली रवाना हुए प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नियुक्ति के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, अब मंत्रिमंडल विस्तार होगा और 6 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस पर मंगलवार को हुई कोर कमेटी की एक अहम बैठक में भी चर्चा की गई। यह बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी दिल्ली रवाना हो गए, जहां वे पार्टी हाईकमान को बैठक में हुई चर्चाओं की जानकारी देंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद संघ, संगठन और सरकार की पहली संयुक्त बैठक थी, जिसमें आपसी परिचय भी हुआ। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को फिर से मंत्री बनाए जाने पर गंभीरता से विचार किया गया है। उनके साथ करीब 6 विधायकों को मंत्री बनाने की योजना है। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर खास जोर दिया जा रहा है। फिलहाल योगी सरकार में 54 मंत्री हैं, जबकि अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। यानी 6 नए मंत्रियों को शामिल करने की गुंजाइश है। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली से मंजूरी मिलने के बाद जनवरी या फरवरी 2026 में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है।

प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर बोले सीएम योगी- कुछ लोगों ने किया षड्यंत्र, सनातन से ऊपर कोई नहीं

अयोध्या।

उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म से ऊपर कोई नहीं है.

सीएम ने कहा कि पहले जय श्री राम कहने पर लाठी पड़ती थी. कुछ लोगों ने अयोध्या के साथ षड्यंत्र किया. पिछली सरकार ने अयोध्या को लहूलुहान कर दिया.लेकिन जिसकी सुरक्षा जब बजरंगबली स्वयं कर रहे हों वह तो भूत पिशाच निकट नहीं आवे महावीर जब नाम सुनावे. कैसे कोई आतंकी यहां घुस जाता. अयोध्या के नाम सुन के ही लगता है की यहां कभी युद्ध नहीं हुआ. लेकिन कुछ लोगों ने अपने कट्टरवादी से अयोध्या को भी युद्धभूमि बना दिया था. याद करिए जब देश के प्रधानमंत्री मोदी, अयोध्या आ कर राम लल्ला की प्राणप्रतिष्ठा की और अयोध्या से गुलामी का कलंक हटाया. जब अभी 25 नवंबर को पीएम मोदी फिर अयोध्या आए और राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वजा को लगाया. इस सनातन से बड़ा कुछ नहीं. सीएम ने कहा कि पिछली सरकारों ने इस अयोध्या को लहूलुहान किया था. देश दुनिया का कोई ऐसा श्रद्धालु नहीं जो अयोध्या का दर्शन कर के फलीभूत नहीं होता हो. 2017 से पहले न बिजली , न पानी, न सुरक्षा और जब कोई जय श्री राम बोलता था तो लाठी चल जाता थी. और अब तो भारत सरकार की सबसे बड़ी योजना भी जी राम जी हो गया है. याद करिए 1528 से लेकर 1992 तक अयोध्या में हर 20 वर्षों लगातार राम भक्त संघर्ष करता रहा.

उसने गोली लाठियों के परवाह नहीं की वो लड़ता रहा. इसी कार्यक्रम में सीएम योगी के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राम मंदिर के लिए हुआ आंदोलन, दुनिया का सबसे बड़ा आंदोलन है.

बीजेपी कर रही है कुशासन, उम्मीद है 2026 में सुशासन देगी सरकार- खरगे का केंद्र पर वार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा पर 2025 में कई मोर्चों पर नाकाम रहने और कुशासन का आरोप लगाया। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने सरकार से अगले वर्ष सुशासन की कामना की। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि यह वर्ष अच्छा बीते और सभी खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि नया साल सभी के लिए समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आए और सरकारें अगले वर्ष सुशासन प्रदान करें। इससे पहले आज एक पोस्ट में, राज्यसभा के विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए एमजीएनआरईजीए के प्रतिस्थापन, गिरते रुपये और मुद्रास्फीति सहित 14 विवादित मुद्दों का हवाला दिया। एमजीएनआरईजीए और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का हवाला देते हुए, जिन दो मुद्दों पर कांग्रेस ने

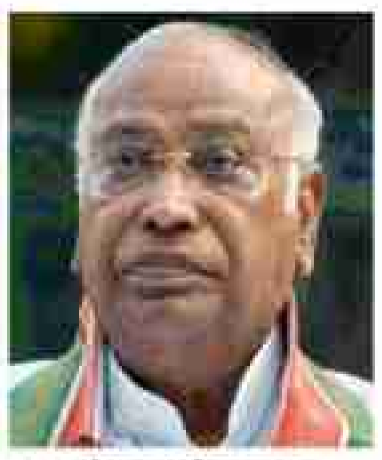

2025 के चुनाव में एकजुटता दिखाई थी, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नागरिकों के काम करने के अधिकार और वोट देने के अधिकार को छीन रही है। कांग्रेस नेता ने इ पर लिखा कि साल के आखिरी दिन, यह याद दिलाना जरूरी है कि भाजपा शासन के 11वें वर्ष, 2025 में देश का संचालन कैसे हुआ– एमजीएनआरईजीए को खत्म करके लाखों गरीबों से काम का अधिकार छीन लिया गया। बिना किसी तैयारी के, बिना बीएलओ प्रशिक्षण के, एसआईआर के जरिए लाखों लोगों से मतदान का अधिकार छीन लिया गया और भाजपा की वोट चोरी रंगे हाथों पकड़ी गई। यह ऐसे समय में आया है जब संसद ने यूपीए सरकार द्वारा लाए गए एमजीएनआरईजीए के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 पारित किया है। हालांकि यह कानून एमजीएनआरईजीए में 100 दिनों की तुलना में रोजगार गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन कर देता है, विपक्ष ने महात्मा गांधी का नाम हटाने और केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 के निधि बंटवारे के अनुपात को लेकर इसकी आलोचना की है। आर्थिक मोर्चे पर, खरगे ने गिरते रुपये पर प्रकाश डाला, क्योंकि भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91 के अंक पर पहुंचकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

फरीदाबाद में चलती कार में महिला के साथ ढाई घंटे तक हुआ सामूहिक बलात्कार, दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में 25 वर्षीय विवाहित महिला के साथ कथित तौर पर चलती वैन में सामूहिक बलात्कार किया गया और बाद में उसे सड़क पर फेंक दिया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कथित बलात्कार के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

वैन सीसीटीवी में कैद, पीड़िता सदमे में

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें वह वैन दिख रही है जिसमें मंगलवार को फरीदाबाद की 25 साल की महिला के साथ दो घंटे से ज्यादा समय तक गैंगरेप किया गया और फिर उसे सड़क पर फेंक दिया गया। सीसीटीवी फुटेज में, वैन एक सड़क पर चलती हुई दिख रही है, जबकि बैकग्राउंड में कई दूसरी गाड़ियां खड़ी हैं। यह भयानक घटना सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को हुई, जब 25 साल की महिला रात में घर जाने के लिए गाड़ी का इंतजार कर रही थी। दो युवकों ने उसे अपनी वैन में बिठाया और उसे घर छोड़ने का वादा किया।

महिला करीब ढाई घंटे तक वैन में थी

महिला कथित तौर पर करीब ढाई घंटे तक वैन में थी, जहां आरोपियों ने उसके साथ रेप किया। सुबह करीब 3 बजे, महिला को चलती वैन से बाहर फेंक दिया गया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार देर रात उस समय घटी जब दो आरोपियों ने परिवहन का इंतजार

कर रही महिला को लिफ्ट देने की पेशकश की। दोनों आरोपी उसे उसके गंतव्य तक ले जाने के बजाय गुरुग्राम की ओर ले गए और कार के अंदर ही उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि महिला को पूरी रात गाड़ी में घुमाया गया और करीब तीन बजे राजा चौक के पास 90 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चल रही गाड़ी से उसे (महिला) बाहर फेंक दिया गया।

महिला के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई है। उसकी हालत गंभीर है और वह अभी बयान दर्ज कराने की स्थिति में नहीं है। पीड़ित महिला की बहन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, वैवाहिक कलह के कारण अपने माता-पिता के घर पर रह रही महिला सोमवार शाम को सेक्टर 23 स्थित अपनी सहेली के घर गई थी और देर रात लौटते समय आरोपियों ने उसे लिफ्ट देने की पेशकश की। पीड़ित महिला किसी तरह अपनी बहन को फोन किया, जो मौके पर पहुंची और उसे बादशाह खान सिविल अस्पताल ले गई। महिला को लगी चोट को देखने के बाद चिकित्सकों ने महिला को दिल्ली ले जाने की सलाह दी, लेकिन परिवार ने उसे फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

पीड़िता की बहन का बयान

पीड़िता की बहन ने बताया, मेरी बहन बुरी तरह घायल हो गई। उसकी हालत को देखते हुए हमने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला किया। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के मूल निवासी और वर्तमान में फरीदाबाद में रह रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

महिला आरोपियों को पहले से नहीं जानती थी। पुलिस ने बताया कि अपराध में इस्तेमाल की गई वैन को जब्त कर लिया गया है और आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। फरीदाबाद पुलिस के प्रवक्ता यशपाल यादव ने कहा, हमने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

दुनिया में नए साल का आगाज

नई दिल्ली।

दुनिया में नए साल की एंट्री हो गई है। दुनिया के सबसे पूर्वी छोर पर बसे द्वीप देश किरिबाती में रात के 12 बजते ही साल 2026 की शुरुआत हो गई है। किरिबाती में भारत से 8:30 घंटे पहले नए साल की शुरुआत हो जाती है। ठीक एक घंटे बाद न्यूजीलैंड में भी नए साल ने दस्तक दे दी है। न्यूजीलैंड में भारत से 7:30 घंटे पहले, जबकि अमेरिका में 9:30 घंटे बाद नया साल आता है। दुनियाभर में अलग-अलग टाइम जोन के कारण 29 देश ऐसे हैं जो भारत से पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरिबाती,

समोआ, टोंगा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, म्यांमार, जापान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, नेपाल शामिल हैं। किरिबाती प्रशांत महासागर में बसा द्वीप है। यह हवाई के दक्षिण में और ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्व में है।

यह देश कई एटोल्स से मिलकर बना है। एटोल्स का मतलब होता है गोलाकार प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ)। किरिबाती पूर्व से पश्चिम तक करीब 4,000 किलोमीटर में फैला हुआ है।

किरिबाती को 1979 में ब्रिटेन से आजादी मिली थी। यहां की आबादी 1 लाख 16 हजार है। यहां रहने वाले ज्यादातर लोग ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से समुद्र स्तर बढ़ने के खतरे से जूझ रहे हैं। किरिबाती के सबसे नजदीक बसा देश हवाई है। इसकी दूरी करीब 2,000 किमी है। यह दिल्ली से काबुल जितनी दूर है। दिलचस्प बात यह है कि हवाई के इतने नजदीक होने के बावजूद किरिबाती वहां से एक दिन पहले नया साल मनाता है। किरिबाती इंटरनेशनल डेट लाइन के दाएं और हवाई बाएं है। किरिबाती का समय ग्रीनविच टाइम से 14 घंटे आगे है, जबकि हवाई का समय ग्रीनविच टाइम से 10 घंटे पीछे। यही वजह है कि किरिबाती में जब 31 दिसंबर की आधी रात होती है, तब हवाई में अभी भी 30 दिसंबर की सुबह होती है।